भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3173

गुरूवार, 19 मार्च, 2026/28 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

दार्जिलिंग तक संपर्क में सुधार

3173 श्री हर्ष वर्धन श्रृंगलाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बागडोगरा हवाई अड्डे पर हाल ही में उड़ानों के रद्द होने की घटनाओं के कारण, पर्यटन के चरम शीतकालीन मौसम के दौरान दार्जिलिंग में पर्यटकों के आगमन में कमी और बुकिंग रद्द होने का क्या प्रभाव पड़ा है और इसने स्थानीय पर्यटन व्यवसायों तथा आजीविका को किस प्रकार प्रभावित किया है;

(ख) वैकल्पिक परिवहन समाधानों और अवसंरचना में सुधारों सहित दार्जिलिंग के लिए हवाई और भू-संपर्क को बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने ऐसे व्यवधानों को कम करने के लिए पश्चिमी बंगाल सरकार के साथ समन्वय किया है; और

(घ) उपर्युक्त उपाय किस प्रकार पर्यटकों के विश्वास को सुदृढ़ करेंगे और इस क्षेत्र में एक लचीले पर्यटन पारितंत्र को सुनिश्चित करेंगे?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): नागार विमानन मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मौसम, तकनीकी, परिचालन, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी), रैंप और हवाई अड्डे से संबंधित समस्याएँ, प्रतिक्रियात्मक परिस्थितियाँ या एयरलाइन के नियंत्रण से परे असाधारण परिस्थितियाँ जैसे विभिन्न कारणों से उड़ानें विलंबित या रद्द हो जाती हैं। मार्च, 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरस्त होने के साथ ही भारतीय घरेलू विमानन पूरी तरह से अविनियमित हो गया। एयरलाइनें किसी भी प्रकार के विमान के साथ अपनी क्षमता बढ़ाने और सेवा देने के लिए अपनी इच्छानुसार किसी भी बाज़ार और नेटवर्क का चयन करने के लिए स्वतंत्र हैं। अतः एयरलाइन संचालकों को अपनी परिचालन और व्यावसायिक व्यवहार्यता के आधार पर देश के किसी भी हवाई अड्डे से/तक हवाई सेवाएं शुरू करने का अधिकार है।

देश में पर्यटन के विकास के लिए कनेक्टिविटी एक महत्वपूर्ण पहलू है। भारत सरकार संबंधित मंत्रालयों/एजेंसियों के माध्यम से, पश्चिम बंगाल राज्य सहित अन्य राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के समन्वय से हवाई, रेल और राष्ट्रीय सड़क अवसंरचना का विकास और उन्नयन करती है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय देश में राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और रखरखाव के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है, जो यातायात की मात्रा, कनेक्टिविटी/लॉजिस्टिक्स संबंधी आवश्यकताओं और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ तालमेल पर आधारित है। क्षेत्र में राज्य के राजमार्गों (एसएच) का विकास और योजना संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा की जाती है।

बेहतर संपर्क और बुनियादी ढांचे के विकास से पहुंच बढ़ती है, पर्यटकों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित होती है और पर्यटकों का विश्वास मजबूत होता है, जिससे दार्जिलिंग क्षेत्र में एक मजबूत पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र को सहायता मिलती है।

*****